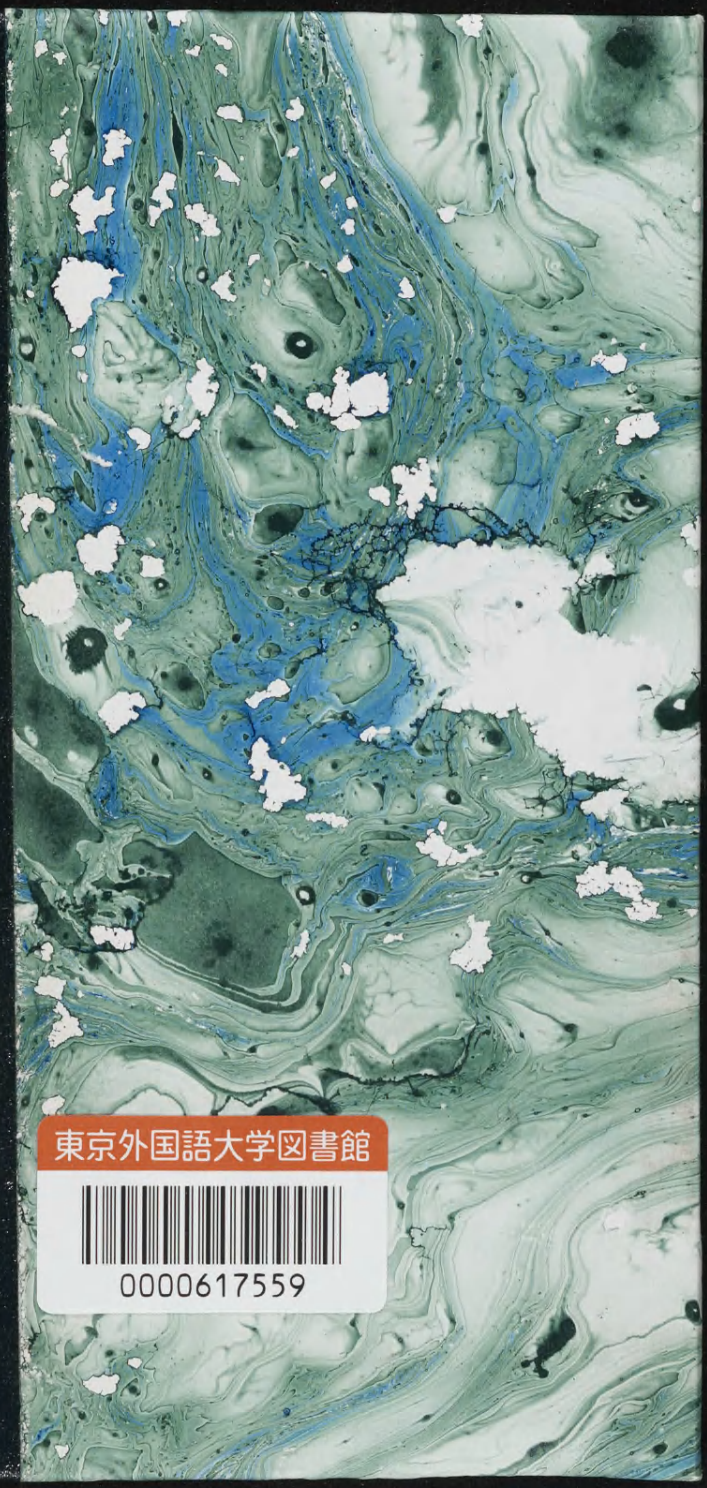

東京外国語大学図書館
0000617559

हिन्दी-ग्रन्थ-रत्नाकरका ७९ वाँ ग्रन्थ

साहित्यकी उपक्रमणिका

जहाँ न हित-उपदेश शुचि, सो कैसा साहित्य ?
जो प्रकाशसे रहित तो, कौन कहे आदित्य ?

लेखक
पं० किशोरीदास वाजपेयी, शास्त्री

प्रकाशक
हिन्दी-ग्रन्थ-रत्नाकर कार्यालय

अगहन, १९८९ वि०

दिसम्बर, १९३२

प्रथमावृत्ति] [मूल्य ग्यारह आने

15/5/66
55